(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether it is a fact that the multinational companies have approached or ready to market the BGH injection to India which would be used for the purpose; and

(d) whether there is any proposal under Government's consideration to manufacture the so-called BGH injection in India in the near future in order to save the foreign exchange to the tune of Rs. 200 crore a year which are likely to be spent on the production of this injec tion?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) Yes, Sir. Ministry of Environment and Forests have given conditional environmental clearance to M/s Eli Lilly Ran-baxy Limited, New Delhi for commercial use of Recombinant Bovine Somatotropin for use in buffaloes in five selected States, subject to clearance by drugs Controller General (India).

(c) and (d) No, Sir.

Allocation of Natural Calamity Fund to Karnataka

1092. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the natural calamity fund allocated to Karnataka during 1995-96, 1996-97 and 1997-98;

(b) whether any additional fund has been allocated to the State during these years;

(c) the actual calamity fund released for 1996-97 and 1997-98 till date; and

(d) whether it is a fact that for 1997-98 not a single paisa is released inspite of repeated request from Government of Karnataka; if so, by when it will be released?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (d) The annual allocation of the State Calamity Relief Fund (SCRF) to different States during the period 1995-96 to 1999-2U00 was made by the Tenth Finance Commission. The SCRF is contributed by the Central and the State Governments in the ratio of 75;25 and the Central share is released in four equal quarterly instalments. The SCRF allocation for Karnataka during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 are Rs. 39.49 crores, Rs. 41.85 crores and Rs. 44.16 crores respectively. The entire Central share amounting to Rs. 29.62 crores and Rs. 31.69 crores were released during 1995-96 and 1996-97 respectively. During the current year (1997-98), two instalments of Central share of SCRF amounting to Rs. 16.56 crores have so far been released and the remaining to instalments will be released in October, 1997 and January, 1998.

गुजरात में ड्रिप सिंचाई योजना के लिये धनराशि आबंटित किया जाना

1093। श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 और 1995-96 के दौरान ड्रिप सिंचाई योजना के लिये गुजरात को किसी धनराशि आबटित की गई;

(ख) क्या राज्य सरकार ने आबंटन में वृद्धि करने के लिय मांग की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या धनराशि के उपयोग के बारे में गुजरात सरकार से कोई रिपोर्ट मांगी गई है;

(ङ) यदि हां, तो क्या राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है' और

(च) इस प्रयोजनार्थ राज्य सरकार को कितनी अतिरिक्त धनराशि आबंटित की गई?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस.वेणुगोपालाचारी): (क) गुजरात राज्य को ड्रिप सिंचाई योजना के कार्यान्वयन के लिये 1994-95 और 1995-96 के दौरान क्रमश: 187.50 लाख रूपए और 303.19 लाख रूपए की राशि आबंटित की गई।

(ख) जी, नही।

(ग) प्रश्न ही नही उठता।

(घ) और (ड) जी, हां।

(च) उपर्युक्त (ख) को देखते हुए, प्रश्न ही नही होता।

कृषि एक प्रमुख उद्योग

1094. **श्री नागमणि**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कृषि देश का प्रमुख उद्योग है और क्या इस क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या अधिकर्तम है;

(ख) यदि हां, तो कृषि क्षेत्र में कार्यरत तीन-चौथाई तथा सीमान्त किसानों के लिये इस क्षेत्र में नई श्रमिक प्रधान कृषि तकनीक अपनाकर रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन किया जा सकता है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने नई श्रमिक प्रधान कृषि तकनीक में निवेश करने और देश के कृषि क्षेत्र में श्रमिकों के लिये रोजगार के नये तथा अतिरिक्त अवसर जुटाने हेतु इसका उपयोग करने के लिये कोई कारगर उपाय किये है।

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नही, तो उसके क्या कारण है और देश में कुल कितने प्रतिशत श्रमिक कृषि क्षेत्र से अपना जीविकोपार्जन कर रहे है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेणुगोपालचारी): (क) हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की प्रमुख भूमिका है। सकल घरेलु उत्पाद में इसका योगदान लगभग 27 प्रतिशत है कामगरों को रोजगार मुहैया होता है। निर्यात के मामले में इसका अंश कुल निर्यात का लगभग 18 प्रतिशत है।

(ख) अतिरिक्त रोजगार पैदा करने के सबसे अधिक संभावित क्षेत्रों में बीमित किए गए सिंचाई, पशुपालन, मात्स्यिकी, बागवानी, कृषि-व्यवसाय और जल कृषि क्षेत्र में खेती करना शामिल है। इन क्षेत्रों में, विशेषतया लघु एवं सीमान्त किसानों के लिए, रोजगार मुहैया करने की अधिक क्षमताएं है।

(ग) से (ड) आठवीं योजना अवधि (1992-97) के दौरान, कृषि व इससे जुड़े कार्यकालापों जैसे बागवनी, मात्स्यिकी तथा वर्षासिंचित खेती में महत्वपूर्ण स्तर का निवेश किया गया। कृषि मेँ रोजगार व निवेश को बढ़ाने वाले उपायो में वृद्धित योजना परिव्यय, अवसंरचना का विकास, उत्पादकता बढ़ाने के लिये संसाधनों का अधिक दक्ष ढग से प्रयोग और किसानों को परिश्रमिक मूल्य सुनिश्चित करना शामिल है ताकि और अधिक निवेश के लिए अपनी बचत को उपयोग मे ला सके। मध्यम और गौण सिंचाई व मृदा संरक्षण संबंधी परियोजनाओं को ऋण मुहैया कराने के लिये नाबार्ड में ग्रामीण अवसंरचना विकास नामक एक नया कोष स्थापित किया गया है। 1996-97 में नाबार्ड की 500 करोड़ रूपये की अंश पूंजी को अगले पांच वर्षो में 2,000 करोड़ रूपए तक बढ़ाने के लिये प्रावधान किया गया है। 1996-97 के दौरान शुरू की गई त्वारित सिंचाई लाभ कार्यक्रम नामक नई योजना के अंतर्गत, 1997-98 के दौरान राज्यों को ऋण के रूप में सहायता देने के लिये 1300 करोड़ रूपये (बजट प्राक्क्लन) का प्राचधान रखा गया है ताकि चयनित की गई बडी व बहु-उद्देशीय सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सके। कुल कामगारों क लगभग 64 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में कार्यरत है।

New Schemes for Fisheries Development in Punjab

1095. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what are the details of the new Schemes sanctioned during the current year for fisheries development in Punjab;

(b) what is the Scheme-wise amount of assistance being provided by Government to the State; and

(c) the steps being taken or proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) During the current year, no new schemes have been sanctioned for fisheries development in Punjab.

(b) and (c) Do not arise in view of answer to (a) above.